आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)
शनिवार 14.06.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- भारतीय सैन्य अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद 419 युवा अधिकारी, भारतीय सेना का हिस्सा बने, नौ मित्र राष्ट्रों के 32 कैडेट्स भी पास आउट हुए।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून से भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल के हिमाद्री ट्रैकिंग अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- विश्व रक्तदाता दिवस पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन।
- सहभागिता से संवरा पौड़ी गढ़वाल का तिमली गांव, सामूहिक प्रयासों से साकार हुई चेनलिंक फेंसिंग परियोजना।

आईएमए पीओपी

देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी– आईएमए में गहन प्रशिक्षण लेने वाले 451 जांबाज कैडेट्स आज पास आउट हुए। पासिंग आउट परेड में अंतिम पग पार करते ही 419 युवा अधिकारी, भारतीय सेना का हिस्सा बन गए। इसके साथ ही नौ मित्र राष्ट्रों के 32 कैडेट्स भी पास आउट हुए। श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बी.के.जी.एम लांसांथा रोड्रिगो ने बतौर रिव्यूइंग ऑफिसर गरिमामय परेड की सलामी ली। उन्होंने पास आउट कैडेटों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आईएमए न केवल सैनिकों को प्रशिक्षण देती है, बल्कि राष्ट्र के भावी रक्षकों का निर्माण करती है। उन्होंने कैडेट्स से विवेकपूर्ण नेतृत्व करने, सत्य और न्याय के लिए संघर्ष करने तथा राष्ट्र की आशाओं को गर्वपूर्वक आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कैडेटों को ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस व अन्य उत्कृष्ट सम्मान से नवाजा। इस मौके पर सेना के हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। प्रशिक्षण अवधि के दौरान समग्र उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' हरियाणा के अन्नी नेहरा को प्रदान किया गया। उन्होंने स्वॉर्ड ऑफ ऑनर मिलने पर खुशी जताई।

हिमाद्री ट्रैकिंग अभियान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल, आईटीबीपी के हिमाद्री ट्रैकिंग अभियान–2025 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान के तहत आईटीबीपी का 45 सदस्यीय दल, उत्तराखंड से हिमाचल प्रदेश होते हुए लद्दाख तक लगभग एक हजार बत्तीस किलोमीटर की कठिन यात्रा करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान न केवल साहस और संकल्प का प्रतीक है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सामरिक सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईटीबीपी के महानिरीक्षक संजय गुंज्याल ने कहा कि हिमाद्री ट्रैकिंग अभियान के तहत आईटीबीपी का दल 27 घाटियों और 27 दर्रों को पार करेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ ही वाइब्रेंट विलेज क्षेत्रों में साहसिक पयर्टन को बढ़ावा देना है। इस ट्रेकिंग रूट में कुल 84 वाइब्रेंट विलेज आएंगे। इस दौरान अभियान दल की ओर से स्थानीय लोगों को साढ़े तीन लाख फलदार पौधे भी वितरित किए जाएंगे।

यूसीसी पंजीकरण चमोली

चमोली जिले में यूसीसी के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। यूसीसी लागू होने के साढ़े तीन महीनों में 12 हजार 500 से अधिक पंजीकरण हुए हैं। जिसमें गत 28 मई को जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने भी अपने विवाह का पंजीकरण करवाया। जिले में 90 प्रतिशत सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। 521 आवेदन विभिन्न कारणों से निरस्त किए गए हैं। साथ ही विवाह विच्छेद के 22 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि पंजीकरण के लिए जिले में सात निबंधक और 79 उप निबंधक कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि जिले में यूसीसी के तहत तेजी से पंजीकरण का कार्य किया जा रहा है।

रक्तदान बागेश्वर/अल्मोड़ा

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आज प्रदेश के विभिन्न जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। बागेश्वर जिला अस्पताल में रेड क्रॉस समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीआरएफ के जवानों, रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 25 लोगों ने रक्तदान किया। समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह फर्स्वाण ने कहा कि रक्तदान न सिर्फ जरूरतमंदों के जीवन को बचाता है, बल्कि यह दानकर्ता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।
त्रिलोक मोहन जोशी ने बताया कि वे 15वीं बार रक्तदान कर रहे हैं।

शिविर के बाद रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उधर, अल्मोड़ा जिला अस्पताल में रेडक्रॉस समिति की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एच.सी गड़कोटी ने युवाओं से रक्तदान के लिए आगे आने को कहा। ऊधमसिंह नगर जिले के सिडकुल, पंतनगर में एक निजी कंपनी के परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में कंपनी के दर्जनों कर्मियों ने रक्तदान किया।

विश्व रक्तदाता दिवस पौड़ी

जिला अस्पताल पौड़ी में भी रेडक्रॉस समिति की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में 25 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान के लिए जिला स्तरीय अधिकारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर गढ़वाल वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरुद्ध ने रक्तदान शिविर आयोजित करने व रक्तदान करने वालों को बधाई दी।

योगेश पोखरियाल ने कहा कि वे 22वीं बार रक्तदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से व्यक्ति को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होती।

चेनलिंक फेंसिंग परियोजना

पौड़ी गढ़वाल में द्वारीखाल विकासखंड के तिमली गांव में सरकारी सहायता और ग्रामीण सहभागिता के समन्वय से खेती को सुरक्षित व समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला योजना वर्ष 2024–25 के अंतर्गत घेरबाड़ कार्यक्रम में तिमली गांव में चेनलिंक फेंसिंग की स्थापना की गयी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि ग्रामीणों की सक्रिय और प्रेरणादायक भागीदारी से यह कार्य पूरा हुआ है। मुख्य कृषि अधिकारी विकेश कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत कृषि विभाग ने किसानों को चेनलिंक फेंसिंग और एंगल आयरन पोल की आपूर्ति की। साथ ही कुल 820 मीटर लंबी चेनलिंक फेंसिंग की स्थापना पर कृषि विभाग ने जिला योजना से प्राप्त धनराशि खर्च की। लेकिन अन्य आवश्यक कार्य जैसे गड्ढा खुदाई, पोल गाड़ना, फेसिंग लगाना आदि ग्रामवासियों ने खुद अपने संसाधनों और श्रम के माध्यम से किये। इससे परियोजना की कुल लागत में उल्लेखनीय कमी आई और ग्रामीणों में स्वामित्व और आत्मनिर्भरता की भावना के साथ ही स्थानीय स्तर पर कार्य निष्पादन की क्षमता भी मजबूती से दिखी है। तिमली गांव को पर्माकल्चर योजना के तहत चयनित किया गया है। यह योजना प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्थायी कृषि प्रणाली के विकास को बढ़ावा देने के लिए संचालित की जा रही है। स्थानीय कृषकों के अनुसार, फेंसिंग के बाद पशुओं की घुसपैठ पर रोक लगने से फसल की सुरक्षा में भारी सुधार हुआ है, वहीं फसल उत्पादन में भी वृद्धि हुई है।

तिमली गांव अब एक ऐसा उदाहरण बन चुका है, जहां ग्रामवासियों ने मिलकर अपने गांव को एक आदर्श आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित करने का बीड़ा उठाया है। यह पहल न केवल वर्तमान में लाभकारी है, बल्कि आने वाले समय में अन्य गांवों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगी।